Society for single women empowerment relief action (SWERA)

आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़े वर्ग के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित

वार्षिक–प्रतिवेदन

2020–2021

पंजीकृत कार्यालय

एस 17 हाउसिंग बोर्ड, जैठवाई रोड जैसलमेर

राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1958 के तहत पंजीकृत : कृमाक/206/जैसल/2009–10 दिनांक 22 फरवरी 2010

Email swerajsmr12@gmail.com

सवेरा, जैसलमेर

सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछडे वर्ग यथा दिव्यांग, एकल महिलाए, दलित एवं अनाथ लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित जिले की एक मात्र संस्था है जो विगत एक द□ाक से इस समुदाय के लिये विभिन्न गतिविधियों द्वारा मुख्य धारा में जोडनें का प्रयास कर रही है। संस्था द्वारा जहां प्रारम्भ में एकल महिलाओं को लक्ष्य समुह मानकर उनके साथ लम्बे समय तक विभिन्न गतिविधियों द्वारा उनके हक अधिकारों के लिये इन महिलाओं के संगठन बनाकर उनकी आवाज को सतक पहुचाया वहीं समुदाय में इन महिलाओं प्रति नजरिये में बदलाव हेतु भी संघर्श किया गया। आज कुछ स्थिति अच्छी कह सकते है खास कर आर्थिक स्थिति एकल महिलाओं की मजबूत हुई है जिसके लिये राज्य सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं की यथा पालनहार, विधव पे□ान, अनाज, एकल महिलाओं को प्राथमिकता का अहम रोल रहा है।

वर्तमानप्रवृतियां

विगत कुछ सालो में दिव्यांगों हेतु सरकारें स्वेदन ाील हुई है तथा उनके लिये कई योजनाओं का संचालन किया जाकर उन्हे स्वावलम्बी बनाने के प्रयास किये जा रहे है। दिव्यागों के क्षेत्र में संचालित योजनाओं के चलते जहां दृशिबाधित एवं मूकबधिर बच्चे ि ाक्षा से जुडे ह वहीं अन्य योजनाओं से उनका आर्थिक स्तर भी उंचा आया है लेकिन मानसिक दिव्यागों के क्षेत्र में कोई प्रगति नही देखी गई। राज्य में मानसिक विमदित दिव्यागों की स्थिति बेहतर नही थी उन्हे घरो में तिरस्कार झेलना पडता है या घर से निकाल दिया जाता है जिसके चलते य लावारिस बन कर अपना भोश जीवन गुजारते है। इनके विकास एवं पुनर्वास हेतु सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग राजस्थान सरकार के निदे ाालय वि ोश योग्यजन द्वारा वर्श 2013 में राज्य के हर जिले में 50 मानसिक विंमदित क्षमता के मानसिक विमंदित पुनर्वास गृह स्थापित करन का आवहान किया। इसके लिये स्वयं सेवी संस्थाओं से आवेदन मांगे गये । संस्था द्वारा किये गये आवेदन को स्वीकार करते हुए सरकार ने वर्श 2013 में संस्था को मानसिक विमंदित पुनर्वास गृह प्रारम्भ करने के आदे ा प्रदान किये। उक्त पुनर्वास गृह के संचालन से संस्था की इस क्षेत्र में समझ बढी है तथा एंक स ाक्त टीम तेयार हुई है जो मानसिक विमदितों की समस्याओं के निदान में महत्वपूर्ण कार्य करने में सक्षम है तथा उन परिवारों जिनमें मानसिक विमंदित दिव्यांग बालक है के अभिभावकों को पराम र् एवं सेवाए देने का कार्य कर रहे है।

इसी कडी में संस्था ने इस क्षेत्र में अपना कार्यक्षेत्र को वर्श 2019 में विस्तार करते हुए बाडमेर के बालोतरा भाहर में मानसिंक विमंदित बच्चों हेतु स्नेह मनोविकास आवासीय विद्यालय माह जुलाई 2019 में प्रारम्भ किया जिसमें वर्तमान में 25 मानसिक विमंदित बच्चे अध्ययनरत है।

संस्था को वर्श 2019 मे ही बाल अधिकारिता विभाग द्वारा सेल्टर होम स्वीकृत किया गया है जिसे संस्था ने प्रारम्भ कर दिया है।

मानसिक विमंदित पुनर्वास गृह की ***<u>वर्तमान प्रवृतिया</u>***

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहयोग से मानसिक विंमदित पुनर्वास गृह का संचालन 2013 से वर्तमान तक सुचारू रूप से किया जा रहा है। इस गृह मे आवासीय सभी मानसिंक विमदितो के लिये सभी सुविधाए उपलब्ध करवाई जा रही है तथा प्रि ाक्षित स्टाफ द्वारा सेवाए प्रदान की जा रही है। पुनर्वास कर उन्हे समाज की मुख्य धारा से जोडने व उनके दैनिक जीवन के कियाकलापो को उचित रूप से सही दि ाा मे ले जाना । 6.–18 बर्ष के मानसिक दिव्यांगो को ि ाक्षा से जोडना व 18 वर्ष से उपर के दिव्यागो को रोजगार से जोडने के लिये प्रि ाक्षत कर रोजगार से जोडने का प्रयास कर उन्हे आत्मर्निभर बनाने का प्रयास किया जा रहा है वही उन्हे नियमित चिकित्सकीय सेवाए भी प्रदान की जा रही है।

बच्चो को वि ोष ि ाक्षक द्वारा टी.एल.एम.की सहयता से उन्हे ि ाक्षित करने व उन्हे गामक,अंक समय,मनोरजंन खेल आदि से शिक्षा की ओर ले जाया जाता है। रूपयो की सामान्य तरीके से जानकारी प्रदान करना और दैनिक कियाकलापो के बारे मे जानकारी देना।अधिगम/सहअधिगम गतिविधियो से जानकारी प्रदान करना एवं एन्हे दैनिक कार्यो के में दक्ष किया जा रहा है।

मानसिक विंमदित पुनर्वास गृह की गतिविधियों की कुछ झलकियां

माह मार्च में वैि वक महामारी कोरोना को देखते हुए मानसिक विंमदित पुनर्वास गृह में आवासित लाभार्थियो की स्वास्थ्य जों करते हुए चिकित्सक। स्थानीय जिला अस्पताल के चिकत्सकों द्वारा सभी लाभार्थियो की सम्पुर्ण जांच की ताकि पता चल सके कि लाभार्थियों में अन्य कोई रोग तो नही है।

मानसिक विंमदित पुनर्वास गृह में आवासित लाभार्थियो की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए सहायक निदे ाक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जैसलमेर श्री हिम्मतसिंह कविया।

मानसिक विंमदित पुनर्वास गृह मे सेनेटाईजे ान की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए सहायक निदे ाक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जैसलमेर श्री हिम्मतसिंह कविया।

स्नेह मनोविकास विद्यालय बालोतरा

बाडमेर जिले का बालोतरा भाहर जो ओध्योगिक नगरी के नाम से विख्यात है। बालोतरा की जनसंख्या लगभग एक लाख से उपर है तथा कोई वि ोश विद्यालय नही है। संस्था द्वारा वर्श 2019 में वहां के मानसिक विमंदित का सर्वे करवाया गया जिसमें सभी आयुवर्ग के लगभग 110 मानसिक विमदित पाये गये। इसमें 50 से अधिक बालक/बालिकाए है। इन बच्चों को ि ाक्षा से जोडने एवं उन्हे देनिक क्रियाओं से दक्ष कराने के उद्दे य से स्थापित इस विद्यालय में 25 नियमित मानसिक विमदित बालक/बालिकाए अध्ययनरत है। इस विद्यालय के अनुदान हेतु संस्था ने सभी ओपचारिकताए पुरी कर निदे ालय वि ोश योग्यजन को अनुदान हेतु आवेदन प्रस्तूत किया है जो प्रक्रियाधीन है। इस विद्यालय के सहयोग हेतु बालोतरा के भामा ााओं ने भी मदद को कुछ पहल को है आ ा है कि आगे भी भामाशाह इसी तरह मदद करते रहेगें।

इस विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों का माह अगस्त में स्थानीय विभागों का भौक्षिक भ्रमण करवाया गया जिसमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, रेलवे स्टे ान, पोस्ट आफिस, नगरपालिका, पुलिस थाना के अधिकारियो से इन बच्चों की होसला अफजाई की तथा इस कार्य को सराहनीय बताते हुए संस्था की पहल की प्र ांसा की।

माह सितम्बर में उपखण्ड अधिकारी श्री रोहित कुमार एवं सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्रीमती गंगा चौधरी ने विद्यालय का विजिट कर बच्चों के साथ समय बिताया। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी महोदय ने संस्था द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा जिला प्र ाासन का पुरा सहयोग प्रदान करने का आ वासन दिया। श्रीमती गंगा चोधरी ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के हर सम्भव सहयोग का आ वासन दिया।

10 अक्टुबर को वि व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता हेतु रेली का आयोजन किया गया जिसे उपखण्ड अधिकारी महोदय, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी महोदय, प्रमुख समाज सेवी ओमजी बांठिया, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्रीमती गंगा चौधरी एवं नगर के प्रबुधजनो ने रेली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान ज्ञान विद्या मन्दिर में एक कार्यक्रम का आयोजन गया जिसमें जिला लोक अदालत के जज साहब ने इन बच्चों एवं इनके अभिभावकों को

सम्बोधित किया। इस कार्यक्रम में समाजसेविका श्रीमती रामे वरी चौधरी एवं समाजसेवी ओम बाठियां ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजे ा कुमार द्वारा विद्यालय की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई एवं बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तूत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जज महोदय ने संस्था के कार्यो की सराहना करते हुए इन बच्चों के उज्जवल भविश्य की कामना की।

3 दिसम्बर वि व विंकलांग दिवस के अवसर पर बालोतरा के फोर सीजन रिसोर्ट में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 70 दिव्यांगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के आयोजन में रिसोर्ट के मालिक श्री साहिल जैन द्वारा निः ुल्क रिसोर्ट उपलब्ध करवाया वही नवनिर्वाचित बालोतरा नगर परिशद चैयरमेन महोदया श्रीमती सुमित्रा जैन द्वारा आये हुए सभी दिव्यागों को अपने हाथो से भोजन करवाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपखण्ड अधिकारी श्री रोहित कुमार ,

सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्रीमती गंगा चौधरी बालोतरा के प्रबुध समाजसेवी ओम बाठियां , वि ाल पटवारी, दिव्याग संगठन के श्री गोतम प्रजापत ने इस कार्यक्रम को सम्बोधित किया एवं दिव्यागों को हर सम्भव मदद हेतु आवहान किया। संस्था के अध्यक्ष सत्यनारायण ने इस अवसर पर संस्था द्वारा दिव्यांगों हेतु संचालित गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि

संस्था मानसिंक विमंदित बच्चों के सर्वागीण विकास हेतु बालोतरा में वि ेश विद्यालय के साथ

ही प्रि ाक्षण केन्द्र की भी स्थापना करेगी ताकि मानसिक विमंदित समाज की मुख्य धारा में सम्मिलित हो सके।

26 जनवरी 2020 को उपखण्ड स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय की तरफ झांकी का आयोजन किया गया। बालोतरा में पहली बार दिव्यांग बच्चों की भागीदारी करने का अवसर उपखण्ड अधिकारी श्री रोहित कुमार एवं सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्रीमती गंगा चौधरी के प्रयासों से सफल हुआ। इस झांकी ने से भाहर के नोगरिकों का ध्यान अपनी ओर आकर्शिक किया वहीं संस्था द्वारा किये जा रहे इस कार्य हेतु संस्था द्वारा संचालित विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री राजे ा कुमार को उपखण्ड स्तर पर सम्मानित किया गया।

26 जनवरी के उपलक्ष में संध्याकालिन बालोतरा के दिव्यांग संगठन द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें इन बच्चों ने भी अपनी प्रस्तूती दी जिसे आये हुए मेहमानो ने सराहना की एवं इन बच्चों की होसला अफजाई की। बच्चो द्वारा दे ा भक्ति गीत बहुत ही सून्दर तरीके से प्रस्तूत किया। बच्चों को परिवहन अधिकारी महोदय द्वारा पारितोशिक एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

विद्यालय द्वारा संचालित गतिविधियों की कुछ झलकियां :–

बाड़मेर. बालोतरा

मंडे पॉजिटिव ■ मंदबुद्धि व मूक-बधिर बच्चों का जीवन संवार रही सवेरा संस्था, बालोतरा में संचालित है स्कूल, कई बच्चों की संवर रही है जिंदगी

गुमसुम रहने वाली संतियो ने बोलना सीखा, अब कर सकती है मन की बात

सवेरा संस्थान की ओर से संचालित स्नेह मनोविकार विद्यालय में पढ़ रहे हैं 24 मंदबुद्धि व मूक-बधिर बच्चे, निखार रहे हैं अपनी प्रतिभा

गुमसुम संतिया अब बोलने भी लगी है

इरफान अब अनुशासित, नहीं करता शरारत

मेरा एक ही ध्येय है कि बच्चों को समाज में पहचान दिला सकूं

बाहर से नहीं दिखते मानसिक बीमारियों के लक्षण

बालोतरा @ पत्रिका . नगर में मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर मनोविकार विद्यालय सवेरा संस्थान, ज्ञान दिशा स्कूल के तत्वावधान में कार्यक्रम हुआ।

मुख्य अतिथि अजीज खान अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश ने कहा कि मानसिक बीमारियों के लक्षण बाहर से दिखते नहीं हैं। आमजन को उसको पहचानने में बहुत समय लगता है। इसके मुख्य लक्षण काम के दौरान होने वाले तनाव की वजह से अगर व्यक्ति चिड़चिड़ापन, घबराहट, बेचैनी, अनिद्रा के लक्षण आने लगे। जिसकी कोई स्पष्ट दूसरी वजह ना हो तो मानसिक विकृति माना जाता है। मानसिक रोगी के लिए सरकार की ओर से अनेक योजनाएं संचालित की जाती है। समाजसेवी ओम बाठिया ने बताया कि नशावृत्ति से दूर रहें। बालकों से अच्छा संवाद रखें। अगर कोई मानसिक परेशानी लग रही है तो बैठकर प्रेम पूर्वक वार्ता करें ताकि वह कोई गलत कदम ना उठाए। भारतीय मानवाधिकार न्याय सुरक्षा परिषद के शहर अध्यक्ष सुनील डीरा चौहान ने बताया कि मानसिक रोगी, इनके परिजन बहुत ज्यादा लज्जित महसूस करते हैं। जबकि वास्तव में ऐसा कुछ नहीं है। जब तक हम मानसिक रोगियों से सौंदर्य पूर्वक व्यवहार नहीं करेंगे। तब तक इस स्थिति में सुधार नहीं आ सकता।

छात्रों ने रैली निकाल आमजन को मानसिक रोगियों के साथ अच्छा व्यवहार करने की अपील की। गजेंद्र, मोहित, जीतू पटवारी, पुष्पा, रचना जैन आदि ने मानसिक विकृति के बच्चों का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. रामेश्वरी चौधरी, राजेश कुमार, सत्यनारायण चौधरी, विशाल पटवारी, डॉ. रणवीरसिंह चौधरी, उदय चौधरी, राजेंद्र जीनगर आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। इससे पूर्वउपखंड अधिकारी रोहित कुमार, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी गंगा चौधरी, पीएमओ डॉ. बलराज पंवार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

बालोतरा में मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर रैली को हरी झंडी दिखाते अधिकारी।

राजस्थान सरकार

कार्यालय उप जिला कलेक्टर, बालोतरा

जिला - बाड़मेर (राज.)

प्रशस्ति - पत्र

श्री राजेश कुमार

कार्यालय स्नेह मनोबल विद्यालय बालोतरा में विशेष शिक्षक के पद पर कार्य करते हुए वर्ष 2019-20 में शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने के उपलक्ष में यह प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया जाता है।

दिनांक : 26 जनवरी 2020

(रोहित कुमार)
उप जिला कलेक्टर
बालोतरा

संस्था की भावी योजनाएं

संस्था विगत 1 द ाक से जैसलमेर में अपनी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समुदाय और सरकार में अपनी पेठ बनाई है तथा अपनी क्षमताओं में विस्तार किया है। संस्था की अन्य जिलो में भी गतिविधियां प्रारम्भ हो तथा जैसलमेर में भी गतिविधियों का विस्तार करेगी। आगामी 5 वर्शो में संस्था अपना स्वंय का परिसर स्थापित कर विभिन्न योजनाए प्रारम्भ करने की दि ा में कार्य करेगी जो निम्न प्रकार है :–

1. जैसलमेर में वृद्वाश्रम स्थापित कर जिले के बेसहारा वद्वजन को बेहतर सेवाएंप्रदान करने का कार्य करेगी।
2. मानसिक विंमदित पुनर्वास गृह का विस्तार कर इसमें रहने वाले मानसिक विमंदितों के पुनर्वास हेतु व्यवसायिक गतिविधियां प्रारम्भ करेगी।
3. बाडमेर जिले के बालोतरा भाहर में मानसिक विंमदित बच्चों के लिये एक प्रथक डेकयर सेन्टर की स्थापना करेगी।
4. बाडमेर जिले के बालोतरा में ि ाक्षक प्रि ाक्षण केन्द्र की स्थापना करेगी।
5. बाडमेर जिले के बालोतरा मे संस्था स्वंय के परिसर निर्माण हेतु जिला प्र ाासन से जमीन आवटन करवाने कर प्रयास करेगी।
6. बाडमेर जिले के बालोतरा में मानसिक विंमदित बच्चों हेतु उंटनी के दुग्ध का प्रयोग कर उसका अध्ययन किया जायेगा।